विषयानुक्रमणिका.

विषय.	पृष्ठ.
विषयानुक्रमणिका ...	०
परिचय	१
प्रस्तावना	१
योगदर्शन.	२
योगशब्दका अर्थ	२
दर्शनशब्दका अर्थ...	४
योगके आविष्कारका श्रेय	४
आर्य संस्कृतिकी जड और आर्य जातिका लक्षण	१०
ज्ञान और योगका संबन्ध तथा योगका दरजा	११
व्यावहारिक और पारमार्थिक योग .	१३
योगकी दो धारायें....	१४
योग और उसके साहित्यके विकासका दिग्दर्शन	१५
योगशास्त्र . ..	३८
महर्षि पतञ्जलीकी दृष्टिविशालता	४६
आचार्य हरिभद्रकी योगमार्गमें नवीन दिशा.	५९
उपसंहार	६६
पातञ्जलयोगदर्शन वृत्तिसह	१
योगविंशिका सटीक	५६
योगवृत्तिका सार . .	९१
योगविंशिकाका सार ..	११४
योगसूत्रवृत्ति तथा योगविंशिकावृत्तिमे प्रमाणरूपसे आये हुए अवतरणोका वर्णक्रमानुसारी परिशिष्ट नं० १	१४०
योगसूत्रवृत्ति और योगविंशिकाटीकामें आये हुए अवतरणोंका कर्ता और ग्रन्थके नाम निर्देशसंबन्धी परिशिष्ट न० २.	१४१